



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 110]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 16, 1995/ 25 फाल्गुन, 1916

No. 110]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 16, 1995/PHALGUNA 25, 1916

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

अधिमूचना

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1995

(वाणिज्यिक नौवहन)

सा. का. नि. 270 (अ) :—वाणिज्यिक नौवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 457 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा वाणिज्यिक नौवहन निरन्तर निर्वहन प्रमाण-पत्र) नियमावली, 1993 को संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम वाणिज्यिक नौवहन (निरन्तर निर्वहन प्रमाण-पत्र संशोधन नियम, 1995 है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. वाणिज्यिक नौवहन (निरन्तर निर्वहन प्रमाण-पत्र) नियमावली, 1993 (जिन्होंने इसके बाद उक्त नियम कहा गया है) के नियम 4 में,

(क) उप नियम (2) में, खंड (4) के नीचे निम्न-लिखित टिप्पणी जोड़ी जाएगी, अर्थात्:—

“नोट :—विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र में यथा उल्लिखित जन्म की तारीख को किसी आवेदक के जन्म की तारीख के साक्ष्य के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। पूर्व नौ सेना आवेदकों के संबंध में फार्म संख्या भारतीय नौ सेना 271 प्रमाण पत्र में दी गई जन्म की तारीख को इस आशय के लिए उचित दस्तावेजी प्रमाण माना जाएगा।

(ख) उपनियम (7) के बाद निम्नलिखित उप नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“(8) उपनियम (2) में (7) तक में किसी बात के होते हुए भी कोई आवेदक अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र को किसी जनजाति का व्यक्ति हो और जिसकी आयु 18 वर्ष से कम न हो और 35 वर्ष से अधिक न हो निरन्तर निर्वहन प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पात्र होगा, यदि उमरे:—

(1) आवेदन की तारीख से पहले के 7 वर्ष के दौरान समुद्र में उस क्षमता में न्यूनतम 3 वर्ष की सेवा

की हो जिसके लिए वह निरन्तर निर्वहन प्रमाण पत्र के लिए आवेदन कर रहा हो,

(2) उसने इस बात का माध्य प्रस्तुत किया हो कि उसने न्यूनतम 3 वर्ष तक की अवधि के लिए ऐसी समुद्री सेवा की हो, और

(3) उसके पास वाणिज्यिक नौवहन (मिडिलिंग जांच) नियमावली 1986 के तहत जारी निर्धारित प्रपत्र में प्रमाण पत्र हो जो इस आशय का हो कि वह जलयानों में नियुक्ति के लिए डाक्टरी रूप से उपयुक्त है।

3. उक्त नियमों में विषय 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“5. प्रमाण पत्रित अधिकारियों के लिए:—

भारत का ऐसा कोई नागरिक जिसके पास अधिनियम की धारा 78 के तहत जारी सञ्जमता का वैध प्रमाण पत्र हो अथवा अधिनियम की धारा 86 के तहत मान्यता प्राप्त कोई प्रमाण पत्र हो और जिसे टी. एस. चानक्य में नौचालन इंजीनियर अधिकारी श्रेणी II, माग क की विज्ञान स्नातक (समुद्री विज्ञान) को 3 वर्षीय अंतिम परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किया गया हो अथवा उसे छूट दी गई हो, निरन्तर निर्वहन प्रमाण पत्र जारी करने का अनुरोध करने के लिए पात्र है वगैरह वह अधिनियम के उपाबन्धों के अनुसार किसी जलयान पर कार्यरत हो।”

[फा. सं. बी-11015/7/94—एम टी]
विनय वसिष्ठ, संयुक्त सचिव

टिप्पणी:—मुख्य नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में दिनांक 19-3-93 की अधिसूचना सा. का. नि. संख्या (292) (घ) के तहत प्रकाशित किये गये थे और दिनांक 2-2-95 के सा. का. नि. 49 (अ) के तहत संशोधित किए गए थे।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th March, 1995

(MERCHANT SHIPPING)

G.S.R. 270(E).—In exercise of the powers conferred by section 457 of the Merchant Shipping Act, 1958, (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate) Rules, 1993 namely:—

1. (i) These rules may be called the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate) for the Amendment Rules, 1995.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate) Rules, 1993 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 4,—

(a) in sub-rule (2), below clause (iv) the following Note shall be inserted, namely:—

“Note:—The date of birth as mentioned in the School Leaving Certificate shall be accepted as proof of evidence of date of birth of an applicant. In respect of ex-Naval applicants, the date of birth indicated in Form No. Indian Navy 271 certificate shall be the proper documentary proof to this effect.”

(b) after sub-rule (7), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(8) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2) to (7), an applicant, who is a member of a Schedule Tribe in relation to the Union Territory of the Andaman and Nicobar Islands or the Union Territory of Lakshadweep and is of the age of not less than eighteen years and not more than thirty-five years, shall be eligible for obtaining a CDC if he—

(i) has served in the capacity for which he seeks a CDC for not less than three years at sea within the previous seven years preceeding the date of application;

(ii) has produced evidence that he has performed such sea service for a period of not less than three years; and

(iii) is in possession of a certificate in the prescribed form issued under the Merchant Shipping (Medical Examination) Rules, 1986, to the effect that he is medically fit to be employed on ships.

3. In the said rules, for rule 5, the following rule shall be substituted, namely:—

“5. Eligibility for Certificated Officers.—A citizen of India who is in possession of a valid certificate of competency issued under section 78 of the Act or a certificate recognised under section 86 of the Act who has been declared successful in the final examination of the three years B. Sc. (Nautical Science) Course at T. S. Chanakya or who has been declared passed or exempted in Marine Engineer Officer Class II Part A Examination, is eligible to request for issue of a CDC, provided he is engaged on a ship in accordance with the provisions of the Act.”

[F. No. B-11015/7/94-MT]
VINAY VASISHTHA, Jt. Secy.

NOTE:—The Principle rules were published in the Gazette of India Extraordinary Part II, Section 3, Sub-Section (i) vide Notification GSR 292(E), dated 19-3-1993 and were subsequently amended vide GSR 49(E), dated 2-2-1995.